दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवसः 126

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पत्र की उपयोगिता पर बातचीत करें तथा निशा की चिट्ठी का पठन करवाएँ।

प्यारी नानी,

प्रणाम ।

आप कैसी हैं? हम सब ठीक-ठाक हैं। नानी माँ, मैं कल चिड़ियाघर गई थी। मम्मी-पापा के साथ। चिड़ियाघर में जाने के लिए टिकट लगता है। हम टिकट की लाइन में खड़े रहे। फिर हमने टिकट कटाई। चिड़ियाघर में मैंने शेर, हाथी, बंदर, भालू देखे। वे सभी पिंजरों में बंद थे। शेर को देखकर मैं डर गई। एक छोटा बच्चा तो रोने लगा। मैंने मछलीघर भी देखा। बहुत सुंदर मछलियाँ थीं। एक कछुआ भी था। फिर मैं साँप के घर भी गई। बहुत बड़े-बड़े साँप थे, सच नानी! मैंने डर के मारे पापा का हाथ पकड़ लिया। पापा ने कहा-डरो मत। ये कुछ नहीं करेंगे। वे तो पिंजरे में बंद हैं। पता है नानी, चिड़ियाघर में रंग-बिरंगी चिड़ियाँ भी हैं। उन्हें देखकर हम हैरान रह गए। चीं-चीं-चीं का बहुत शोर मचाती हैं। चिड़ियाघर देखते-देखते मैं थक गई। फिर हम बाहर आ गए। मुझे तो बहुत जोर की भूख लगी थी। हमने लिट्टी खाई। मैंने आइसक्रीम भी खाई। सच नानी! बड़ा मजा आया। पत्र के साथ मैं फोटो भी भेज रही हूँ। नानी, अपना ख्याल रखना।

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–127

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पत्र का वाचन तथा पत्र के कथ्य पर बातचीत करें तथा छोटे–छोटे समूह में भाई को, पिता को, दीदी को, दोस्त/सखी को, माँ आदि को लिखे जाने वाले पत्र के विषय–वस्तु पर चर्चा करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पत्र को किसने लिखा है ?

(ख) पत्र किसको भेजा गया है ?

चिड़ियाघर के अलावा और किन–किन चीजों के लिए टिकट लगता है, लिखिए–

पत्र पर चिपकाने वाले टिकट का चित्र बनाइए–

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–128

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पत्र के प्रकार एवं उद्देश्य पर बातचीत करें। (पत्र के प्रारूप एवं रिक्त स्थान)

आपने अपने दोस्त/सहेली को एक पत्र लिखा, जिसमें कुछ शब्द छूट गए हैं। छूटे शब्दों को भरें और पोस्टकार्ड या लिफाफे पर अपने दोस्त/सहेली का पता लिखिए–

प्रिय .....,

आपका ..... मिला। आप .....

हो। मैं ..... हूँ। ..... को छुट्टी थी। हम .....

गए थे। मेरे साथ ..... भी थे। हमलोग .....खाए।

बड़ा ..... आया। अगले .....को तुम भी आओ। सभी

लोग साथ–साथ ..... ।

टिकट

पता

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–129

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पत्र के आलोक में चिड़ियाघर के बारे में समझ दें।

पत्र में आए जीव–जंतुओं के नाम लिखिए–

चिड़ियाँ 'चीं–चीं' बोलती है, नीचे दिए गए जीव–जंतु कैसे बोलते हैं, लिखिए–

(क) कुत्ता – _____

(ख) घोड़ा – _____

(ग) कोयल – _____

(घ) गदहा – _____

(ङ) कौआ – _____

(च) बिल्ली – _____

आपने किन–किन जीव–जंतुओं को पिंजरे में देखा है, उनके नाम लिखिए–

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–130

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से भोजन बनाना एवं उसमें लगने वाली सामग्री पर बातचीत करें।

मिठाई जो आपको पसंद है, उनके नाम लिखिए–

इन्हें बनाने में कौन–कौन सी सामग्री लगती है, उनके नाम लिखिए–

(क) ठेकुआ – ....

(ख) सेवई – ....

(ग) खिचड़ी – ....

(घ) लिट्टी – ....

(ङ) आईसक्रीम – ....

आप भोजन में क्या–क्या खाते हैं, उनके नाम लिखिए–

....

....

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–131

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पाठ में आए कठिन शब्दों को ढूँढ़कर उसके अर्थ एवं उपयोग की समझ दें।

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और जवाब दीजिए–

पटना में एक चिड़ियाघर है। यह बहुत बड़ा है। इसमें बहुत सारे जानवर रहते हैं। इसमे मछलीघर और साँपघर भी हैं। बड़े– बड़े पेड़ों के बीच रास्ता है। पेड़ों पर बहुत सारे बंदर और चिड़ियाँ उछल–कूद करते हैं। अन्दर एक दुकान है जिसमें बिस्कुट, चिप्स,मिठाई आदि बिकती है। चिड़ियाघर में जाने के लिए टिकट लगता है।

(क) पटना में क्या है ?

(ख) बड़े–बड़े पेड़ों के बीच क्या है ?

(ग) बंदर और चिड़ियाँ कहाँ उछल–कूद करते है ?

(घ) दुकान के अंदर क्या–क्या बिकता है ?

(ङ) चिड़ियाघर में जाने के लिए क्या लगता है ?

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–132

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पूरे पत्र का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) निशा ने चिड़ियाघर में क्या–क्या देखा ?

(ख) निशा चिड़ियाघर किसके साथ देखने गई थी ?

(ग) सारे जानवर कहाँ बंद थे ?

सोचिए तथा लिखिए–

(क) जमीन पर रहने वाले जानवर –

(ख) पानी में रहने वाले जानवर –

(ग) जमीन और पानी दोनों में रहने वाले जानवर –

शब्दों की अंत्याक्षरी–

मछली ⟶ लीची ⟶ चीनी ⟶

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–133

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से पालतू जानवरों की उपयोगिता पर चर्चा करें।

रिक्त स्थानों को भरिए–

(क) मेरा घर ..... है।

(ख) ईख ..... है।

(ग) फूल ..... है।

(घ) हाथी ..... है।

(ङ) खरगोश ..... है।

(च) आम ..... है।

सही (√) या गलत (×) का निशान लगाइए–

(क) हाथी, बकरी से छोटा है।		(घ) चाय बहुत ठंडा पीते हैं।	
(ख) फूल सुंदर है।		(ङ) आईसक्रीम बहुत ठंडा है।	
(ग) खरगोश तेज दौड़ता है।		(च) मिठाई नमकीन होती है।	

दिए गए चित्र में जीव–जंतुओं की संख्या गिनती कर शब्दों में लिखिए–

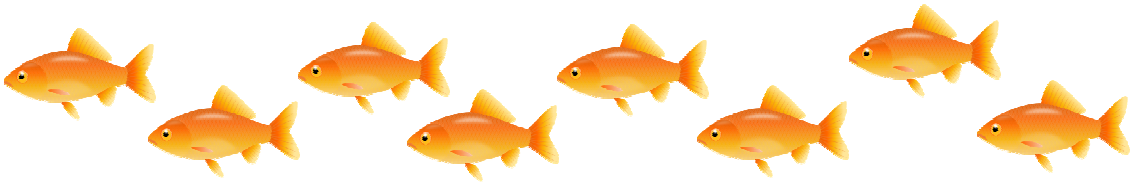

दिनांक

निशा की चिट्ठी

दिवस–134

शिक्षण–निर्देश :

'निशा की चिट्ठी' की पूरी कहानी का प्रश्नोत्तरी द्वारा पुनरावर्तन करवाएँ तथा विद्यार्थियों से पत्र के प्रारूप पर चर्चा करें।

आप भी कहीं घूमने गए होंगे। निशा की तरह आप भी अपने रिश्तेदार को पत्र लिखकर अपनी यात्रा के बारे में बताइए –